



ओडिशा में कोरोमंडल एक्सप्रेस मालगाड़ी से टकराई: देर रात तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया।

सरकार का ध्यान केवल लवजरी ट्रेनों पर: विपक्ष



टीम एक्शन इंडिया/भुवनेश्वर
ओडिशा में ट्रिपल ट्रेन हादसे में मरने वालों की संख्या द्रुतगति के 15 घंटे बाद 280 के करीब पहुंच गई है जबकि घायल होने वालों की संख्या 900 के पास है। विपक्ष इस मामले में अहम संस्कार पर हमलावर हो गई है। विपक्ष ने मामले में रेल मंत्री के इस्तीफे की मांग की है। बता दें रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव हादसे की जांच के लिए एक उच्चस्तरीय समिति का गठन करने का आदेश दे दिया है। बता दें शुक्रवार को ट्रेन चैननई जारी रही कोरमंडल एक्सप्रेस, हावड़ा जा रही बंगलुरु हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस और एक मालागुडी हावड़ा हादसे का शिकार हो गई। विपक्ष के नेताओं ने हादसे के लिए जिम्मेदार सिगनल फ्लैग्योर के लिए आरोप लगाने शुरू कर दिए हैं। हंगलूम फ्लैग्योर के प्रकटा साकेत गोखले ने कहा कि सिगनल फ्लैग होने से इतना बाधा शिवरास से परे और आर्थिकजनक है। हादसे ने कुछ गोपनीय सवाल खड़े किए हैं जिनका जवाब दिया जाना चाहिए। अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि ट्रेन दोनो एक-दूसरे पर कैसे टकरा गई हैं। शुक्रवाती खबरों में कहा गया है कि डाउन लाइन पर बंगलुरु-हावड़ा ट्रेन शाम 6.55 बजे पटरी से उतर गई।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक्शन इंडिया

वर्ष: 14 अंक: 151 पृष्ठ: 08

RNI : UTTHIN/2009/31653

actionindiaddn@gmail.com

उत्तराखण्ड संस्करण

दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड



बालासोर में रेस्क्यू ऑपरेशन खत्म, 288 की मौत

एक मालगाड़ी और दो एक्सप्रेस ट्रेन भिड़ीं, रूट पर टक्कर रोकने वाला सिस्टम नहीं था, 'दुर्घटना का जो भी दोषी है, उसे बक्शा नहीं जाएगा'

टीम एक्शन इंडिया/भुवनेश्वर
ऑडिशा के बालासोर में शुक्रवार
को हुए ट्रेन हादसे में मरने वालों की
संख्या बढ़कर 288 हो गई है। 900
से ज्यादा लोग घायल हैं। रेलवे के
मुताबिक 650 लोग अस्पताल में भर्ती
हैं। हादसा बालासोर के बहानगा
बाजार स्टेशन के पास शुक्रवार शाम
करीब 7 बजे हुआ। न्यूज एजेंसी ने
रेलवे के हवाले से जानकारी दी है कि
ट्रेनों के बीच टक्कर रोकने वाला
कवच सिस्टम इस रूट पर मौजूद नहीं
था। हालाँकि, हादसे के 21 घंटे बाद
यानी शनिवार शाम 4 बजे तक रेल
मंत्री या रेलवे मिनिस्ट्री की तरफ से
हादसे की वजहों पर कुछ नहीं कहा
गया। मंत्री से लेकर अफसर
तक ने केवल जांच
कराने की बात
कही। इधर न्यूज
एजेंसी ने सूत्रों
के हवाले से
खबर दी है कि
सिग्नल फेल
होना भी हादसे
की वजह हो
सकता है।

पहले ट्रेन डिरेल होने की खबर आई, फिर टकराने की जानकारी मिली: हादसे के एक घंटे बाद शाम को करीब 8 बजे बालासोर में एक ट्रेन के पटरि से उतरने की खबर आई। इसके बाद दूसरी ट्रेन के डिरेल होने की बात पता चली। रात करीब 10 बजे साफ हुआ कि ये यात्री गाड़ियां और एक मालगाड़ी टकराई हैं। शुरुआत में 30



लोगों के मारे जाने की जानकारी थी, लेकिन देर रात यह आंकड़ा 200 के पार पहुँच गया।



एक ट्रेन
मालगाड़ी से
टकराई, सामने से आई
दूरंतो इसकी बोगियों से भिड़ी:
रेलवे अधिकारियों ने बताया कि
बहानावा बाजार स्टेशन की आउटर
लाइन पर एक मालगाड़ी खड़ी थी।
हावड़ा से चेन्नई जा रही कोरोमंडल
एक्सप्रेस यहाँ डिरेल होकर मालगाड़ी
से टकरा गई। एक्सप्रेस का इंजन
मालगाड़ी पर चढ़ गया और बोगियां



तीसरे ट्रैक पर जा गिरीं। कुछ देर बाद तीसरे ट्रैक पर आ रही हावड़ा-बेंगलुरु दुरंतो ने कोरोमंडल एक्सप्रेस की बेगियों को टक्कर मार दी।

पीएम मोदी घटनास्थल पर पहुंचे, घायलों से भी मिले: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार शाम करीब 4 बजे घटनास्थल पहुंचे। वे अस्पताल में

घायलों से मिलेंगे। इससे पहले पीएम ने रेल हादसे की समीक्षा के लिए हाई लेवल मीटिंग भी बुलाई थी। इधर, हादसे के बाद रेलवे ने अलग-अलग स्टेशन पर हेल्ललाइन नंबर जारी किए हैं। हादसे में सुरक्षित बचे 1000 पैसेंजर्स को विश्वेश्वरैया-हावड़ा एक्सप्रेस से हावड़ा रवाना कर दिया

दोनों ट्रेनों के पहुंचने में 3 घंटे का फर्क था, पर एक साथ आ गईं

ट्रेन नंबर 12864 बैंगलुरु-हावड़ा
सुपरफास्ट एक्सप्रेस 1 जून को सुबह 7:30
बजे बैंगलुरु के यशवंतपुर स्टेशन से चली
थी। इसे 2 जून को शाम करीब 8 बजे हावड़ा
पहुंचना था। यह अपने समय से 3.30 घंटे
की देरी से 6.30 बजे भद्रक पहुंची। अगला
स्टेशन बालासोर था, जहां ट्रेन 4 घंटे की देरी
से 7:52 पर पहुंचने वाली थी। वहीं, ट्रेन
नंबर 12841 शालीमार-चेन्नई सेंट्रल

कोरोमंडल एक्सप्रेस 2 जून को ही दोपहर 3:20 बजे हावड़ा से रवाना हुई थी। ये 3 जून को शाम 4:50 बजे चेन्नई सेंट्रल पहुंचती। यह अपने सही समय पर 6:37 बजे बालासोर पहुंची। अगला स्टेशन भद्रक था जहां ट्रेन को 7:40 बजे पहुंचना था, लेकिन 7 बजे करीब दोनों ट्रेन बहानगा बाजार स्टेशन के पास से आमने-सामने से गुजरि, तभी हादसा हुआ।

**'दुर्घटना का जो भी दोषी है,
उसे बखशा नहीं जाएगा'**

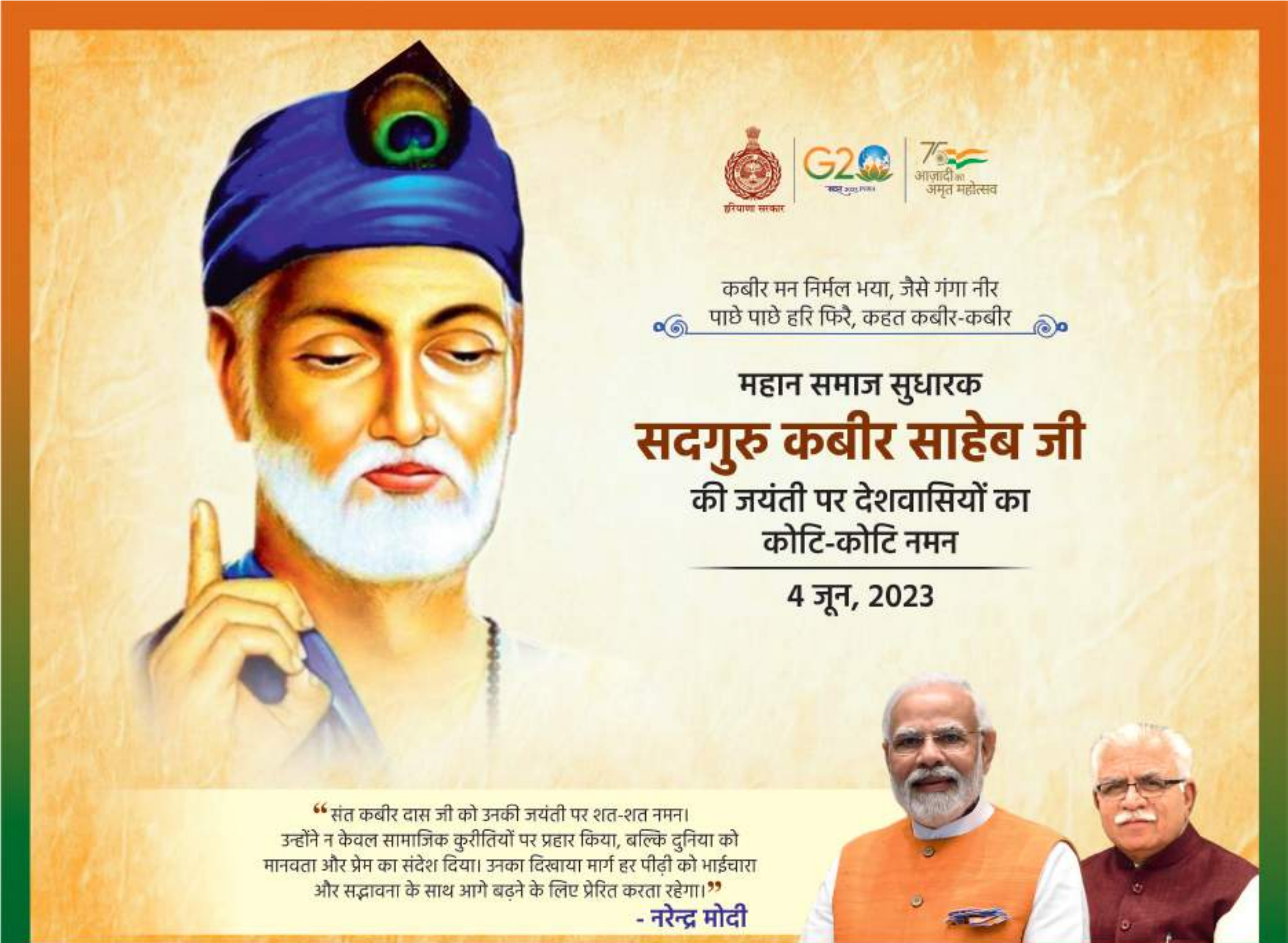


प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार शाम करीब 4 बजे घटनास्थल पहुंचे। अस्पताल में घायलों से भी मिले। उन्होंने कहा कि दुर्घटना का जो भी दोषी है, उस पर बख्शा नहीं जाएगा। निर्देश दिए हैं। हमें और व्यवस्था को इसकी मदद करने वादी मंत्री से लेकर अपराध कराने की बात कह हो गया है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव सुबह बालासोर पहुंचे और उन्होंने हादसे की जांच के आदेश दिए। रेलवे ने प्रभावितों के लिए मुआवजे का ऐलान भी किया है। इधर, ओडिशा के सीएम नवीन पटनायक ने बालासोर के अस्पताल का दौरा किया। राज्य सरकार ने एक दिन का राजकीय शोक घोषित किया है। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी भी बालासोर पहुंची। उन्होंने घायलों के लिए राज्य की तरफ से मुआवजे का ऐलान किया। वहीं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने ओडिशा के मुख्यमंत्री से बात की है। तमिलनाडु के मंत्री उधयनिधि स्टालिन, शिव शंकर और ए महेश ओडिशा जा रहे हैं।

गया है। बालासोर से आने वाली एक स्पेशल ट्रेन से घटनास्थल पर फंसे 200 पैसेंजर्स को खाना और राहत सामग्री देकर भेजा गया। एनडीआरएफ की तीन टीमों और 20 से ज्यादा फायर सर्विंस एंड रेस्क्यू टीमों

घटनास्थल पर हैं। इनमें 1200 बचाव कर्मी मौजूद हैं। भुवनेश्वर में अधिकारियों ने बताया कि हादसे के बाद 115 एंबुलेस, 50 बसें और 45 मोबाइल हेल्थ यूनिट्स तैनात की गई हैं।





संपादकीय

श्रेष्ठ राजव्यवस्था और आनंददायी समाज

दुनिया के सभी समाज सुख और आनंद के इच्छुक रहते हैं। सुख और दुख बारी बारी से आते जाते हैं। मनुष्य समाज का अंग है। लेकिन अनेक अवसरों पर मनुष्य और समाज के बीच अंतर्विरोध भी दिखाई पड़ते हैं। मनुष्य प्रकृति का भी अंग है। लेकिन मनुष्य और प्रकृति के बीच अंतर्विरोध भी होते हैं। यह मनुष्य को दुखी करते हैं। समाज शांतिपूर्ण ढंग से रहने के लिए राजव्यवस्था विकसित करते हैं। महाभारत में राजा को काल का कारण बताया गया है। राजव्यवस्था समाज को सुखी बनाने के प्रयत्न करती है। राजा या राजव्यवस्था महत्वपूर्ण है। राजव्यवस्थाएं आनंदमय समाज के लिए मार्ग प्रशस्त करती हैं। मनुष्य की अनेक मूलभूत आवश्यकताएं होती हैं। अनेक अभिलाषाएं होती हैं। ऋग्वेद (9.113.10 व 11) में प्रार्थना है, 'जहां सारी कामनाएं पूरी होती हैं। जहां सुखदाई तृप्तिदायक अन्न हों। हे देव हमें वहां स्थायित्व दें।' अन्न और कामनाओं की पूर्ति पर्याप्त नहीं है। इसलिए आगे कहते हैं, 'जहां आनंद मोद, मुद और प्रमोद हैं - यत्र आनंदश्च मोदाश्च मुद प्रमोद आसते।' इस मंत्र में आनंद मुद मोद और प्रमोद एक साथ आए हैं। इसी के आगे सुंदर राजव्यवस्था की इच्छा है। आदर्श राजव्यवस्था के अभाव में राष्ट्र सुखी नहीं होते। श्रेष्ठ राजव्यवस्था आनंददायी होती है। इसी प्रार्थना में आदर्श राजव्यवस्था का उल्लेख करते हैं, 'जहां विवस्वान (सूर्य) का पुत्र राजा है, जहां आनंद का द्वार है, आप वहां स्थायित्व दें।' यहां एक आदर्श राजव्यवस्था की प्रार्थना की गई है। राजा या राजव्यवस्था समाज को आनंदपूर्वक रहने के अवसर उपलब्ध कराती है। भारतीय परंपरा में राजा शासक नहीं सेवक है। प्रजा पुत्र है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जिम्मेदार राजप्रमुख हैं। वे स्वयं को प्रधानसेवक कहते हैं। बोते माह उनके कार्यकाल के नौ साल पूरे हुए हैं। इस अवधि की अनेक उपलब्धियां हैं। नौ साल विकास और राष्ट्रीय आत्मविश्वास का उल्लेखनीय कालखंड रहा है। इस अवधि में देश ने अनेक आश्चर्यजनक उपलब्धियां पाई हैं। सारी दुनिया को हिला देने वाली कोरोना महामारी ने यहां अनेक चुनौतियां पेश की थीं। तमाम देशों में कोरोना के कारण मौत का तांडव था। मोदी जी ने लॉकडाउन का साहसिक निर्णय लिया। कोरोना से लड़ने में सरकार ने पूरी दुनिया में प्रतिष्ठा पाई। भारत ने दुनिया के अनेक देशों में वैक्सीन भेजी। देश के भीतर कोरोना से लड़ने की प्रशंसा विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी की। तमाम सर्वेक्षणों में मोदी जी शक्तिशाली ग्लोबल लीडर बताए गए। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद बहुत लम्बे अरसे से भारत पर आक्रामक रहा है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में इस आतंकवाद से निर्णायक युद्ध हुआ। मोदी जी के नेतृत्व में आतंकवादियों के ठिकानों पर लाश्त हमला (सर्जिकल स्ट्राइक) हुआ। पूरे देश ने मोदी जी के इस निर्णय की प्रशंसा की। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 370 को हटाने का निर्णय आसान नहीं था। यद्यपि संविधान निमाताओं ने अनुच्छेद 370 के शीर्षक में ही लिख दिया था, -जम्मू कश्मीर के विषय में अस्थायी उपबंध'। संविधान निमाता अपनी तरफ से इसे अस्थायी लिख चुके थे। लेकिन संविधान निर्माण (1949) से लेकर 2019 तक यह स्थाई अनुच्छेद बना रहा।



सुनील कुमार महला

“ ग्लोबल अपैरल फाइबर कंजम्पशन के शोध अनुसार, एक वर्ष में दुनिया भर में खपत होने वाले 100,000 किलोग्राम फाइबर में से 70% सिंथेटिक हैं। प्लास्टिक जल्द नष्ट नहीं होता :- अब तक उत्पादित प्लास्टिक का हर टुकड़ा आज भी पर्यावरण में मौजूद है।

डब्ल्यूडब्ल्यूएफ ऑस्ट्रेलिया (विश्व वन्यजीव कोष) के अनुसार, प्लास्टिक के उत्पादों को पूर्णतः नष्ट होने में लंबा समय लगता है, यह उनके गुणवत्ता पर निर्भर होता है जैसे - प्लास्टिक बैग को नष्ट होने में 20 साल, कॉफी कप 30 साल, प्लास्टिक स्ट्रॉ 200 साल, प्लास्टिक की बोतलें 450 वर्ष, प्लास्टिक के कप 450 साल, डिस्पोजेबल डायपर - 500 साल और प्लास्टिक दूधब्रश को नष्ट होने में साधारणतः 500 साल का कालावधी लगता है। अमेरिकी प्रतिदिन 50 करोड़ से अधिक प्लास्टिक स्ट्रॉ का उपयोग करते हैं

पर्यावरण पृथ्वी पर जीवन का आधार है। सभी सजीव और निजीव तत्वों से मिलकर पर्यावरण बना है। पशुपक्षी, पेड़, जंगल, समुद्र, पहाड़, हवा, खनिज इत्यादि यह सभी पर्यावरण का हिस्सा है। पर्यावरण को जीवन के अनुकूल बनाये रखना हम सबकी जिम्मेदारी है, परन्तु पर्यावरण को सबसे ज्यादा नुकसान मनुष्य ही पहुँचाता है। पर्यावरण के प्रति जागरूकता हेतु हर साल 5 जून को "विश्व पर्यावरण दिवस" एक नई थीम के साथ दुनियाभर में मनाया जाता है। इस वर्ष 2023 की थीम प्लास्टिक प्रदूषण के समाधान पर केंद्रित है। प्लास्टिक प्रदूषण दुनियाभर में बहुत बड़ी समस्या बनकर उभरा है। हर साल तकरीबन 40 करोड़ टन से अधिक प्लास्टिक का उत्पादन होता है, उसमें से आधे का केवल एक बार उपयोग किया जाता है। आज हम माइक्रोप्लास्टिक खा रहे, पी रहे और ऑक्सीजन में भी प्लास्टिक मिश्रित दूषित हवा ले रहे है, जिसके कारण हर 30 सेकंड में एक मौत हो रही है। जलवायु परिवर्तन में प्लास्टिक प्रदूषण का बहुत बड़ा योगदान है। प्रदूषण के कारण पर्यावरण का संतुलन लगातार बिगड़ रहा है, जिससे ग्लोबल वार्मिंग, बीमारियाँ, प्राकृतिक आपदा जैसी समस्या बढ़ी है, परिणामतः मानव जीवन के लिए खतरा निर्माण हो गया है। प्लास्टिक जानवरों को मारता है, मिट्टी को प्रदूषित करता, प्लास्टिक की थैलियाँ नालियों को बंद कर देती हैं। प्लास्टिक प्रदूषण से बाढ़पन, मोटापा, मधुमेह, प्रोस्टेट या स्तन कैंसर, थायरॉयड की समस्याएं, हृदय रोग और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। टियरफ्रेंड के नए शोध के अनुसार, प्लास्टिक की समस्या से दुनिया भर के विकासशील देशों में हर साल 400,000 से दस लाख लोग मर रहे हैं। प्लास्टिक प्रदूषण से समुद्री जीवन तबाह :- पृथ्वी के 71% भाग में पानी है और कुल पानी का 97% पानी समुद्र में है, मानव गतिविधियों के परिणामस्वरूप समुद्री प्रदूषण पर्यावरण के लिए घातक हैं। हर मिनट दो बड़े भरे हुए ट्रक जितना प्लास्टिक कचरा महासागरों में फेंका जाता है। यूरोमिया 2016 अनुसार, हर साल 12 मिलियन टन प्लास्टिक समुद्र में फेंक दिया जाता है और हर साल महासागरों में बहने वाले प्लास्टिक कचरे की मात्रा साल 2040 तक 29 मिलियन मीट्रिक टन होने की संभावना है। विभिन्न रूपों में



माइक्रोप्लास्टिक दुनिया की लगभग सभी जल प्रणालियों में मौजूद हैं। मारियाना ट्रेंच स्थान में 36,000 फीट गहराई पर भी प्लास्टिक पाया गया है। आईयूसीएन 2020 अनुसार, समुद्री मलबे का 80% सिर्फ प्लास्टिक कचरा है। महासागरों में 2025 तक मछली के मुकाबले एक तिहाई प्लास्टिक मिलेगा और 2050 तक महासागरों में मछलियों से ज्यादा प्लास्टिक होगा। संयुक्त राष्ट्र अनुसार, प्लास्टिक हर साल अनुमानित 10 लाख समुद्री पक्षियों और 1 लाख समुद्री जीवों को मारता है और वैज्ञानिकों का मानना है कि यही दर रहे, तो दुनिया की 99% समुद्री पक्षी प्रजातियां 2050 तक प्लास्टिक खा रही होंगी। प्लास्टिक से कोरल रीफ पर बीमारी की संभावना 22 गुना बढ़ जाती है। समुद्री जीवों में प्लास्टिक विषाक्तता खाद्य श्रृंखला को खत्म कर रही हैं, जिसमें विनाशकारी स्वास्थ्य प्रभावों की संभावना है। प्लास्टिक खा रहे, पी रहे और प्लास्टिक की हवा में सांस ले रहे :- पकड़ी जाने वाली हर तीन में से एक मछली में अब प्लास्टिक होता है। खाद्य श्रृंखला के आधार पर कई जानवर माइक्रोप्लास्टिक्स खाते हैं, फिर उनको दूसरे जीव खाते हैं, मनुष्य भी उन जीवों को खाते हैं। वैज्ञानिकों ने 114 समुद्री प्रजातियों में माइक्रोप्लास्टिक पाया है, और इनमें से लगभग एक तिहाई प्रजाति मनुष्य के खाद्य श्रृंखला में जानी जाती हैं। कृषि मिट्टी के भीतर भी प्लास्टिक टूटकर माइक्रोप्लास्टिक्स के रूप में दबा रहता है। लैंडफिल में गहरे दबे प्लास्टिक कचरे से हानिकारक रसायन निकल सकते हैं जो भूजल में फैल सकते

हैं। हमारे लैंडफिल में 20 लाख टन से अधिक पानी की बोतलों का ढेर लगा हुआ है। प्लास्टिक अनजाने तरीके से हमारी थाली में पहुँचता है, निष्कर्ष से पता चला है कि हम हर साल हजारों प्लास्टिक कणों को निगलते हैं। प्लास्टिक में उपलब्ध खाद्य पदार्थ, डिब्बाबंद खाद्य सामग्री से भी प्लास्टिक हमारे शरीर में प्रवेश कर सकता है। हम बोतलबंद पानी को माध्यम से माइक्रोप्लास्टिक पीते हैं, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने 2018 में चौंकाने वाला शोध प्रकाशित किया था, जिसमें 90% बोतलबंद पानी में माइक्रोप्लास्टिक्स की उपस्थिति का पता चला था, परीक्षण में 259 में से केवल 17 बोतलबंद पानी प्लास्टिक से मुक्त थे। खराब अपशिष्ट प्रबंधन के कारण खुली हवा में कचरा जलाने से दूषित वायु में लोग सांस लेते हैं। मार्च 2018 में प्रकाशित एक रिपोर्ट से पता चलता है कि विश्व स्तर पर 5 अरब लोग कचरा संग्रहण या योग्य अपशिष्ट निपटान के बिना रहते हैं, परिणामस्वरूप प्रत्येक वर्ष लगभग 90 लाख लोग मारे जाते हैं। 1 टन प्लास्टिक के उत्पादन से 2.5 टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्पन्न होती है। हम कपड़ों के माध्यम से भी प्लास्टिक को अवशोषित करते हैं, ग्लोबल अपैरल फाइबर कंजम्पशन के शोध अनुसार, एक वर्ष में दुनिया भर में खपत होने वाले 100,000 किलोग्राम फाइबर में से 70% सिंथेटिक हैं। प्लास्टिक जल्द नष्ट नहीं होता :- अब तक उत्पादित प्लास्टिक का हर टुकड़ा आज भी पर्यावरण में मौजूद है। डब्ल्यूडब्ल्यूएफ ऑस्ट्रेलिया (विश्व

वन्यजीव कोष) के अनुसार, प्लास्टिक के उत्पादों को पूर्णतः नष्ट होने में लंबा समय लगता है, यह उनके गुणवत्ता पर निर्भर होता है जैसे - प्लास्टिक बैग को नष्ट होने में 20 साल, कॉफी कप 30 साल, प्लास्टिक स्ट्रॉ 200 साल, प्लास्टिक की बोतलें 450 वर्ष, प्लास्टिक के कप 450 साल, डिस्पोजेबल डायपर - 500 साल और प्लास्टिक दूधब्रश को नष्ट होने में साधारणतः 500 साल का कालावधी लगता है। अमेरिकी प्रतिदिन 50 करोड़ से अधिक प्लास्टिक स्ट्रॉ का उपयोग करते हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, 1950 के दशक से अब तक 8.3 अरब टन प्लास्टिक का निर्माण किया जा चुका है। दुनिया भर में हर मिनट 10 लाख सिंगल-यूज प्लास्टिक की बोतलें खरीदी जाती हैं और सालाना 1200 अरब से अधिक प्लास्टिक की बोतलें बेची जाती हैं। पॉलीस्टाइन 10 लाख से अधिक वर्षों तक पर्यावरण में बना रह सकता है। भारत में प्लास्टिक अपशिष्ट पर तथ्य :- द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टिट्यूट 2018 अनुसार, देश में कुल प्लास्टिक कचरे का केवल 60% पुनर्नवीनीकरण किया जा रहा है। भारत में लगभग 43% निर्मित प्लास्टिक का उपयोग पैकेजिंग उद्देश्य के लिए किया जाता है और प्लास्टिक की प्रति व्यक्ति औसत खपत लगभग 11 किग्रा है। सीपीसीबी की रिपोर्ट के अनुसार, कुल ठोस कचरे में प्लास्टिक का योगदान 8% है, सर्वाधिक प्लास्टिक का उत्पादन में दिल्ली, इसके बाद कोलकाता और अहमदाबाद का स्थान है। समुद्री तटों से प्लास्टिक कचरे से बरामद भारी मात्रा में जहरीली भारी धातु जैसे तांबा, जस्ता, सीसा और कैडमियम का तटीय पारिस्थितिक तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। प्लास्टिक मुक्त वातावरण के लिए योग्य पहल :- प्रत्येक टन प्लास्टिक कचरे के पुनर्चक्रण से लगभग 3.8 बैरल पेट्रोलियम की बचत होती है। देश के चेन्नई में जबुलियम स्ट्रीट 2002 में बनी भारत की पहली प्लास्टिक सड़कों में से एक थी। 2015-16 में, राष्ट्रीय ग्रामीण सड़क विकास एजेंसी ने लगभग 7,500 दुनिया भर में खपत होने वाले 100,000 किलोग्राम फाइबर में से 70% सिंथेटिक हैं। प्लास्टिक जल्द नष्ट नहीं होता :- अब तक उत्पादित प्लास्टिक का हर टुकड़ा आज भी पर्यावरण में मौजूद है। डब्ल्यूडब्ल्यूएफ ऑस्ट्रेलिया (विश्व



कविता

कैसी यह दुनिया है

कितनी अजीब बात है

इस जीवन की क्रिया को
क्यों समझता नहीं समाज है

इन दिनों में भी
नारी की कोई मदद ना करता है

पलके नम होने पर भी
उसे मुस्कुरा कर रहना पड़ता है

बेवजह दोषी कहा गया उसे
यह तो प्रकृति का खेल था

सुख रंग फैला कर ये तो
योवावस्था का ग्रह प्रवेश था

दिन तीनों गवाह है मासूमियत के
क्यों तुम झूठे नियम बनाते हो

निष्कर्ष है यह तो नारी का
क्यों तुम महिला शसक्ती करण लगते हो

सब जानते हुए भी
उस सब चुपचाप सहना पड़ता है

प्रोति शर्मा

बोझ नहीं, हमारा गर्व हैं बेटियां

डॉ. आशीष वशिष्ठ
23 मई 2023 को देश की सर्वाधिक प्रतिष्ठित परीक्षा भारतीय प्रशासनिक सेवा के परिणामों की घोषणा हुई। इस बार एक बार फिर बेटियों ने यूपीएससी की परीक्षा में बाजी मारी है। टॉप-10 में से 6 स्थानों पर लड़कियां हैं। इस खबर से पूरे देश में खुशी का माहौल छा गया। हर और बेटियों की प्रतिभा, लगन और मेहनत के किस्से सुनये जाने लगे। यूपीएससी ही नहीं, पिछले कई वर्षों की भाँति इस वर्ष भी दसवीं, बारहवीं की बोर्ड परीक्षाओं और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के नतीजों में भी बेटियों ने प्रथम पंक्ति में अपना नाम दर्ज करवाया है। बेटियां जीवन के हर क्षेत्र में सफलता के नये कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। यूपीएससी के नतीजों की घोषणा के ठीक पांच दिन बाद यानी 28 मई को उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले में एक प्यारी सी बच्ची का जन्म हुआ। लेकिन वो बच्ची उतनी खुशनुसीब नहीं थी कि वो अच्छे से पढ़-लिखकर किसी प्रतिष्ठित परीक्षा में उच्च स्थान प्राप्त करती और अपने घर-परिवार, राज्य और देश का नाम रोशन कर पाती। दरसअल, अब वो प्यारी सी बच्ची इस दुनिया में नहीं है। उस प्यारी सी बच्ची को उसके पिता ने ही मार डाला।

मामला उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले के पूनपुर थाना क्षेत्र का है। जहां एक पिता ने तीसरी बार बेटी पैदा होने पर उसकी निर्मम हत्या कर दी। खानका मोहल्ले की रहने वाली शब्बी की शादी 8 साल पहले सिरसा गांव के रहने वाले फरहान के साथ हुई थी। शादी के

बाद शब्बी ने दो बेटियों को जन्म दिया। इसके बाद वह फिर से गर्भवती हुईं। प्रसव पीड़ा होने पर मायके वाले शब्बी को ससुराल से लेकर एक नर्सिंग होम पहुंचे। यहां 28 मई को उसकी डिलीवरी हुई। उसने एक प्यारी-सी बच्ची को जन्म दिया। अगले दिन देर शाम फरहान अपनी पत्नी और बच्ची को देखने वहां पहुंचा। फरहान ने बच्ची को गोद में लेते हुए जैसे ही देखा कि वह बेटी है, उसे जमीन पर पटक दिया। जिससे बच्ची की मौत हो गई। असल में फरहान दो बेटियों के बाद बेटा चाहता था, लेकिन बेटी होने पर उसने ऐसा कदम उठा लिया। 31 मई 2023 को उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के हिंडन विहार कालोनी में रहने वाली तबस्सुम ने थाना नंद ग्राम में अपनी ससुराल वालों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि बेटी होने पर विवाहिता के घर वालों से 10 लाख रुपये की मांग की गई। जब वह मांग पूरी नहीं हुई तो उसे तीन तलाक बोलकर घर से निकाल दिया गया। छत्तीसगढ़ राज्य के सूरजपुर जिले में पोते की चाह में दादी ने अपनी 15 दिन की नवजात पोती को मौत के घाट उतार दिया। पुलिस जांच में आरोपी दादी मिताली विश्वास ने बताया कि वो पोती चाहती थी, जबकि बहू को पोती हुई, जिससे वो काफी नाराज थी। 1 अप्रैल 2023 को जब घर के सभी लोग दोपहर में सो रहे थे, तो उसने मां के पास सो रही बच्ची को चुपचाप उठा लिया। इसके बाद बाड़ी में स्थित कुएं में बच्ची को फेंक दिया। जिससे नवजात की मौत हो गई।



चिंतन

सब जीते तो हारा कौन ?

अनुज अग्रवाल
भाजपा के असंख्य आरोपों, कोशिशों, जाँच एजेंसियों के छापे और चुनावी माहौल के भगवाकरण करने के बाद भी देश से निपटती व सिमटती जा रही काँग्रेस पार्टी ने बड़े आराम से प्रभावशाली बहुमत के साथ हिमाचल प्रदेश के बाद कर्नाटक में न केवल जीत प्राप्त की वरन्-सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के बीच चल रहे शक्ति संघर्ष को भी निबटारक अपनी सरकार का गठन भी कर लिया। गांधी परिवार का इस जीत पर फूलाना न समा रहा और लोकसभा का दावा ठोंक रहा है। तो उधर बीजेपी के नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी विपक्ष की अनगिनत आलोचनाओं, आरोपों, व्यवधानों कानूनी रुकावट व बहिष्कार के

उपरांत भी संसद के नए दिव्य, भव्य व भारतीयता से ओतप्रोत भवन को समय से न केवल पूरा करवाया वरन्-उसका उद्घाटन भी कर दिया। अपने नौ साल के कार्यकाल को सफलतापूर्वक पूरा करने का रिकॉर्ड बनाने के साथ ही मोदी जी वि भाजपा ने उन हजारों कार्यों को गिनाया जो पिछले नौ साल में उन्होंने पूरे किए व उनको काँग्रेस के पचास सालों के शासन में हुए कार्यों से कहीं ज्यादा बताया। टीम मोदी को भरोसा है कि राज्यों में समीकरण कुछ भी रहे हों मगर केंद्र में तो मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए व भाजपा की ही सरकार बनेगी क्योंकि मोदी जिनके व्यक्तिव व उनकी सरकार के कार्यों के कारण जो समर्थक व लाभार्थी वर्ग पैदा हुआ है वे सब संघ परिवार के परंपरागत समर्थकों के साथ

मिलकर उनकी सरकार आसानी से बनवा ही देंगे। वैसे भी अभी मोदी जी के तरकश में कितने तीर हैं यह कोई नहीं जानता। जब वे चलेंगे तो विपक्ष का गणित बिगाड़ना तय है। जीत जाने का श्रेय उच्चतम न्यायालय दिल्ली सरकार व एलजी की अधिकारों के बंटवारे की लड़ाई में मोदी सरकार को बैकफुट पर ला दिया और अंततः मोदी जी को अपने कानून मंत्री किरण रिजिजू जो कि कॉलेजियल के मुद्दे पर लगातार न्यायापालिका के खिलाफ मुखर हो रहे थे को हटाकर इस उम्मीद में दूसरे मंत्रालय में भेज दिया कि अब न्यायापालिका उनकी सरकार की नीतियों व दर्शन के इतर जाकर संविधान की व्याख्या नहीं करेगी।



विचार

भारतीय दंड संहिता की धारा 124 ए राजद्रोह

किशन भावनानी

वैश्विक स्तरपर जिस तेजी के साथ भारत अपने विजन 2047 की ओर बढ़ रहा है, हमें बाबा आदम के जमाने के भारतीय कानूनों को बदलने या संशोधित करने की जरूरत है ताकि अनेक महत्वपूर्ण और गंभीर कानूनों की आड़ में पहली बात किसी के हितों को दबाया ना जा सके या किसी कमजोर कानूनों उनकी धाराओं की आड़ में किन्हीं पर अत्याचार ना हो या किसी की प्रतिभा को अपनी उन्नति की बाधा की आड़ में कानूनों की धाराओं का दुरुपयोग नहीं किया जा सके। दूसरी बात सभी कानून की धाराओं को भारतीय संविधान के संज्ञान में भी लेने की जरूरत है, अन्यथा इसकी जरूरतों को महसूस करते हुए न्यायपालिका पर पिटिशंस का बोझ बढ़ता ही चला जा रहा है। इस मामले में अगर हम आईपीसी की धारा 124 ए देशद्रोह धारा का संज्ञान ले तो सुप्रीम कोर्ट में इसके खिलाफ अभी 10 याचिकाएं दाखिल है, जिसमें 11 मई 2022 को सुप्रीम कोर्ट ने 124 ए पर फिलहाल रोक रोक लगाते हुए आगे सुनवाई करने की बात की है। सरकार ने भी इस धारा पर पुनर्विचार की बात कोर्ट में कही थी और मामला 22 वें विधि आयोग हो भेजा था। चूंकि दिनांक 2 जून 2023 को विधि आयोग की रिपोर्ट विधि मंत्रालय को सौंपी गई है जिसमें इस धारा को बरकरार रखने की सिफारिश की है। इसलिए मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से

इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, इंडियन पेनल कोड की धारा 124 ए देशद्रोह। साथियों बात अगर हम विधि आयोग द्वारा दिनांक 2 जून 2023 को विधि मंत्रालय को सौंपी अपनी रिपोर्ट की करें तो, राजद्रोह से संबंधित आईपीसी की धारा-124ए को बरकरार रखने की जरूरत है, हालांकि इसके इस्तेमाल के बारे में अधिक स्पष्टता के लिए कुछ संशोधन किए जा सकते हैं। 152 साल पुराने देशद्रोह कानून को हटाने का कोई वैलिड रीजन नहीं है। हालाँकि, कानून के उपयोग को लेकर ज्यादा स्पष्टता बनी रहे इसके लिए कुछ संशोधन किए जा सकते हैं। आयोग ने कहा है कि धारा-124ए के दुरुपयोग को रोकने के लिए वह केंद्र सरकार द्वारा माडल गाइडलाइंस को जारी करने की सिफारिश करता है। उन्होंने रिपोर्ट में कहा है, इस संदर्भ में यह भी सुझाव दिया जाता है कि सीआरपीसी, 1973 की धारा-196(3) के अनुरूप सीआरपीसी की धारा-154 में एक प्रविधान जोड़ा जा सकता है, जो आईपीसी की धारा-142ए के तहत अपराध के संबंध में एफआईआर दर्ज करने से पहले आवश्यक प्रक्रियागत सुरक्षा उपलब्ध कराएगा। आयोग का यह भी कहना है कि किसी प्रविधान के दुरुपयोग का कोई भी आरोप उस प्रविधान को वापस लेने का आधार नहीं हो सकता। साथ ही औपनिवेशिक विरासत होना भी इसे वापस लेने का वैध आधार नहीं है। रिपोर्ट में आयोग का

कहना है कि गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम और राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम जैसे कानून अपराध के उन सभी तत्वों को कवर नहीं करते, जिनका वर्णन आईपीसी की धारा-124ए में किया गया है। विधि आयोग ने अपनी रिपोर्ट में प्रारंभिक जांच अनिवार्य होने, प्रक्रियात्मक सुरक्षा उपार्यों और सजा में संशोधन समेत प्रावधानों में संशोधन के संबंध में कुछ सिफारिशें भी की हैं। अनुच्छेद 19(2) के तहत राजद्रोह को उचित प्रतिबंध (रीजेनबल रिस्ट्रिक्शंस) बताते हुए विधि आयोग ने इशारा किया सुप्रीम कोर्ट ने धारा 124ए की संवैधानिकता पर विचार करते हुए यह व्यवस्था दी है कि जिस प्रतिबंध को लागू करने की इसमें मांग की गई थी वह एक रीजेनबल रिस्ट्रिक्शन हैं, लिहाजा यह कानून संवैधानिक है। इसमें कहा गया है, यूएपीए और एनएसए जैसे कानून खास हैं जो राज्य के प्रति होने वाले अपराधों को रोकना की कोशिश हैं। राजद्रोह कानून, कानून द्वारा, लोकतांत्रिक ढंग से चुनी गई सरकार के हिंसक, अवैध व असंवैधानिक तख्तापट्ट को रोकना चाहता है। आयोग ने यह भी कहा है कि सिर्फ इसलिए कि यह कानून औपनिवेशिक काल का है, इसे खत्म करने का वाजिब आधार नहीं है।इसमें कहा गया है, अगर राजद्रोह को औपनिवेशिक युग का कानून माना जाए तो इसके आधार पर फिर तो भारतीय कानूनी प्रणाली का पूरा ढांचा ही औपनिवेशिक विरासत का है।

गर्मियों में त्वचा के लिए बेहतरीन है दही

शहनाज हुसैन

दही सेहत के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है/ अमूमन दही कुछ लोगों को डाइट का अहम हिस्सा होता है /पौषक तत्वों से भरपूर दही त्वचा की सेहत और चमक के लिए भी काफी फायदेमंद होता है/ तेज धूप के बीच त्वचा को नरम रखने के लिए और त्वचा को जवां बनाए रखने के लिए भी किया जाता है/ वहीं, दही त्वचा को नमी देता है और एमटाटर के साथ मिलाकर लगाने पर त्वचा की मृत कोशिकाओं को बनाए रखने के लिए एक रिकॉशनाओं का सफाया कर देता है जिससे रिकॉश एक्सफोलिएट भी होती है/ दही और एमटाटर का फेस पैक बनाने के लिए एक एमटाटर पीसकर उसमें 2 चम्मच दही को अच्छी तरह से मिला दें/ इस फेसट को पूरे चेहरे गर्दन और गले पर लगाएं और 10 से 15 मिनट तक सूखने के बाद ठंडे पानी से धो लें / 1 चम्मच दही में आधे एमटाटर का रस और नींबू का रस मिलाकर फेस और गर्दन पर लगाएं/ फिर 10.15 मिनट तक सूखने के बाद चेहरे को सादे पानी से धो लें चेहरे पर कुछ देर साबुन के इस्तेमाल से परहेज करें।

पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अतः समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

न्यूज़ पलैश

ईंटों से भरी ट्रॉली पलटी एक महिला पुरुष घायल

मथुरा। गांव रनवारी में ईंटों के भरे ट्रोलो के पलट जाने के कारण कमई निवासी एक व्यक्ति व महिला बुरी तरह घायल हो गए। घायलों को ग्रामीणों की मदद से पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। छाता गोवर्धन मार्ग छाता से लेकर साखी तक बुरी तरह जर्जर पड़ा हुआ है। आए दिन एक्सीडेंट होते हैं। गोवर्धन की तरफ से रोड को बनाया गया था। वह रोड पहले ही साखी गांव तक बन गया फिर उसके बाद साखी गांव तक बनाया गया, अब उसका काम बंद कर दिया गया है। रोड के पूरा बनाए जाने की ग्राम वासियों ने मांग की है। ग्रामीणों ने बताया कि टेकेदार रोड का अधूरा काम छोड़ कर चले गए हैं। जिससे काम अधर में पड़ा हुआ है। पूरे कुराए जाने की मांग की है, जिसे जल्द से जल्द रोड को बनाया जाए जिससे आगे कोई दुर्घटना ना हो।

वृंदावन में सड़कों पर हो रही वाहन पार्किंग से लगता है जाम

मथुरा। मूलभूत आवश्यकताओं पर ध्यान दिये बिना धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने की लगातार हो रही कोशिशों से नए तरह की परेशानी खड़ी हो गई है। वृंदावन में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में तो इजाफा हुआ है लेकिन उन्हें सभालने के लिए जिस ढांचे की आवश्यकता है वह ढांचा अभी पूरी तरह से विकसित नहीं हुआ है। वृंदावन तीर्थनगरी की यातायात व्यवस्था आखिर कब पटरी पर आएगी। लोगों के लिए यह यक्ष सवाल बन चुका है। जिला प्रशासन के पास भी इस सवाल का कोई जवाब नजर नहीं आ रहा है। लोग हमेशा की तरह बिगड़ते ट्रैफिक सिस्टम से जुड़ने पर मजबूर हैं। धार्मिक नगरी की यातायात व्यवस्था पूरी तरह बेपटरी हो चुकी है। नगर के हर चौराहे तिराह, गली कुचे जाम से त्रस्त हैं। शासन प्रशासन द्वारा इस जाम की समस्या से निजात दिलाने के तहतम वादे जनता से कर चुके हैं। लखनऊ से आए आला अफसरों के मंथन के बाद भी इस विकराल समस्या का कोई तोड़ अभी तक नहीं निकल पाया है। यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए तैनात किए गए पुलिसकर्मी बाहर से आने वाले वाहनों और गलत ढंग से चल रहे ई रिक्शा चालकों से अवैध वसूली में व्यस्त हैं।

बीसीए छात्र की ट्रेन से कटकर मौत

मथुरा। बीसीए के छात्र की ट्रेन से कट कर मौत हो गई। पुलिस हत्या और आत्महत्या की युथी में उलझी है। युवक की मौत की सूचना मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। परिजन भी मौके पर आ गए। परिजनों को रो कर बुरा हाल है। पुलिस ने मौके पर मौत युवक की तलाशी ली तो उसकी जेब से एक सुसाइड नोट मिला। इसके साथ ही उसके हाथ पर पेन से रूढ़ और मोबाइल नंबर लिखा था। मोबाइल फोन मिलाया और परिजन को जानकारी दी। मथुरा के थाना जमुनापुर क्षेत्र स्थित शिवनगर निवासी युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। युवक का रेलवे ट्रैक पर शव मिला। मृतक के हाथ पर पेन से नाम और नंबर लिखा होने पर उसकी शिनाख्त हुई। मृतक की पहचान थाना जमुनापुर के गांव तैयापुर स्थित शिवनगर निवासी रूषेन्द्र (24) पुत्र रोहतक के रूप में हुई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

आईसीआईसीआई बैंक ने टाटा मेमोरियल को 1,200 करोड़ रुपए का योगदान देने की घोषणा की

गाजियाबाद। आईसीआईसीआई बैंक ने आज टाटा मेमोरियल सेंटर (टीएमसी) के लिए 1,200 करोड़ रुपए का योगदान देने की प्रतिबद्धता की घोषणा की। टीएमसी देश भर में कैसर उपचार और अनुसंधान केंद्र चलाने वाली एक प्रमुख संस्था है। आईसीआईसीआई बैंक अपने सीएसआर फंड से 7.5 लाख वर्ग फुट के संयुक्त क्षेत्र में फैली तीन नई इमारतों की स्थापना के लिए राशि प्रदान करेगा। साथ ही महाराष्ट्र में नवी मुंबई, पंजाब में मुल्लापूर और आंध्र प्रदेश में विशाखापटनम में टीएमसी के केंद्रों की अत्याधुनिक मशीनों से लैस करेगा। किसी भी संगठन द्वारा टाटा मेमोरियल सेंटर को दिया गया यह सबसे बड़ा एकल योगदान है। आधुनिक उपकरण और मल्टी-डिसिप्लिनरी टीमों के विशेषज्ञों के साथ ऑनकोलॉजी ट्रीटमेंट में उत्कृष्टता वाले ये नए केंद्र एक वर्ष में लगभग 25,000 नए रोगियों को एडवांस्ड और एविडेंस बेस्ड थेरेपी प्रदान करेंगे। इस तरह ऑनकोलॉजी ट्रीटमेंट से संबंधित वर्तमान क्षमता दोगुना हो जाएगी, जिससे देश के कैसर उपचार के बुनियादी ढांचे को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा मिलेगा। आईसीआईसीआई फाउंडेशन के प्रेसिडेंट श्री संजय दाता और टाटा मेमोरियल सेंटर के निदेशक डॉ आर ए बडवे ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर आईसीआईसीआई बैंक के चेयरमैन श्री गिरीश चंद्र चतुर्वेदी और एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर श्री संदीप बना भी मौजूद थे। श्री चतुर्वेदी ने मुंबई के परेल स्थित टाटा मेमोरियल अस्पताल में डॉ. बडवे और श्री ब्रजा की उपस्थिति में आईसीआईसीआई एमआरआई सुविधा का भी उद्घाटन किया। यह सुविधा आईसीआईसीआई फाउंडेशन के सहयोग से एडवांस्ड एमआरआई मशीन से लैस है। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए आईसीआईसीआई बैंक के चेयरमैन श्री गिरीश चंद्र चतुर्वेदी ने कहा, आईसीआईसीआई बैंक के पास देश की सेवा करने की लंबी विरासत है। इसी फिलॉसफी के अनुरूप आईसीआईसीआई फाउंडेशन आज देश के नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में लगातार काम कर रहा है।

कार्यकर्ताओं ने मेहनत करके पार्टी को मजबूती प्रदान करने का काम किया : चौटाला

हलका प्रधान अनिल त्यागी व ठरु गांव में सरपंच संदीप ठरु आदि ने किया स्वागत

टीम एक्शन इंडिया/गन्नौर। हरियाणा के उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला शनिवार को हलके के दो दर्जन से अधिक कार्यक्रमों में शिरकत की। नगरपालिका रोड स्थित पुष्प वर्ल्ड स्कूल में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उपमुख्यमंत्री चौटाला ने कहा कि कार्यकर्ताओं ने मेहनत कर-के पार्टी को मजबूती प्रदान करने का काम किया है। पहलवानों के मामले को लेकर पूछे जाने उपमुख्यमंत्री ने कहा कि अगर यह राज्य स्तरीय मुद्दा होता तो हम इसे जरूर सॉल्व करते लेकिन यह एक नेशनल मुद्दा है



जिसको कुछ पार्टी और नेताओं द्वारा उकसाने का काम किया जा रहा है। चौटाला ने कहा कि 95 टोकन कटे थे पहलवानों को चाहिए कि वे इन्वेस्टिगेशन में सहयोग करें और उसको गति प्रदान करें।

जिनमें एक रुपए की भी स्टैप चोरी नहीं की गई है। अभी इन्वेस्टिगेशन जारी है, अगर किसी प्रकार की भी कोई ट्रुटि मिलती है तो सभी रजिस्ट्री को रद्द कर दिया जाएगा। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थानीय एमएलए द्वारा रजिस्ट्री का मामला मेरे संज्ञान में लाया गया था जिसका विपक्ष से कोई लेना-देना ही नहीं है, जिस पर अभी जांच जारी है। इस मौके पर चेयरमैन सुमित राणा, चेयरमैन पवन खरखौटा, जिलाध्यक्ष राजविविंह व्हिया, हलकाध्यक्ष अनिल त्यागी,

सियानन्द त्यागी, रणधीर मलिक, राई हलकाध्यक्ष ओमप्रकाश रसोई, अजीत आतिल, ठरू के सरपंच संदीप ठरू, नीरज त्यागी आदि मौजूद थे। ठरू गांव के सरपंच संदीप ठरू ने उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला से गांव की समस्या के समाधान का मांग पत्र सौंपा। उपमुख्यमंत्री ने गांव में लाईब्रेरी बनाने, गांव में तालाब बनवाने, गांव से सोनीपत जाने वाली सड़क के निर्माण की मांग की। जिस पर उपमुख्यमंत्री ने सरपंच की मांग की पूरा करवाने का आश्वासन दिया।

जरूरतमंद कन्या की शादी में किया सहयोग



टीम एक्शन इण्डिया/ कुरुक्षेत्र(दलबीर मलिक) सर्व समाज कल्याण सेवा समिति ने गांव दिनारपुर में एक जरूरतमंद बेटी की शादी में जरूरत का सामान देकर मदद की। संस्था के प्रदेशाध्यक्ष रामेश्वर सैनी ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि गांव दिनारपुर में एक बेटी के विवाह में सामान की जरूरत है। इस अवसर

पर संस्था के सदस्यों के सहयोग से सामान जुटाया गया। इस मौके पर संस्था के प्रदेश अध्यक्ष रामेश्वर सैनी, शाहबाद के अध्यक्ष मदनलाल कथूरिया, प्रभारी सविता मदान, सह प्रभारी पूनम, सचिव नरेश शर्मा, उपाध्यक्ष रणवीर सिंह, फूल सिंह, महिला सह सचिव हरमीत कौर मुख्य रूप से उपस्थित थे।

सनौली खुर्द बाईपास पर ट्रक ने मारी पीकअप गाड़ी को टक्कर

टीम एक्शन इंडिया/पानीपत पानीपत में नेशनल हाईवे 709 एडी पर सनौली खुर्द बाईपास पर गांव रिशपुर मोड़ पर शुक्रवार देर रात को एक तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क किनारे खड़ी एक पीकअप गाड़ी को टक्कर मार दी। हादसे में दो महिलाओं और एक किशोर व एक युवक सहित चार लोगों की मौत हो गई, जबकि महिलाओं सहित 18 लोग घायल हो गये। हालांकि घायलों में से 10 लोगों की हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने पीजीआई रोहतक रेफर किया गया है और जबकि बाकि घायलों को कम चोट आई है। पीकअप गाड़ी में सवार होकर सभी श्रद्धालु जींद जिला के गांव कमाच खेड़ा से हरिद्वार में गंगा स्नान करने के लिये जा रहे थे। जब पीकअप गाडी सनौली खुर्द बाईपास पर पहुँची तो उसमें पेंचर हो गया और चालक पीकअप का टायर बदल रहा था तो उसी दौरान पानीपत की तरफ से आई एक तेज रफ्तार ट्रक ने उसके पीछे सीधी टक्कर



मार दी। टक्कर मारने के बाद ट्रक चालक मौके पर ही ट्रक को छोड़कर फरार हो गया। वहीं सनौली खुर्द थाना पुलिस ने रोशन निवासी गांव कमाच खेड़ा, जींद की शिकायत पर ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी गई है और ट्रक को कब्जे में ले लिया गया है।

वृंदावन में निकाली गई भगवान परशुराम की शोभायात्रा

मथुरा। वृंदावन नगर में भगवान परशुराम की शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में जहां पर झांकियों ने मनमोहा तो व्हिजन कर लोगों का आकर्षण का केंद्र रही। व्हिजन गाड़ी में भगवान परशुराम सवार होकर चले और रास्ते में भगवान परशुराम जी का जगह जगह की गई। 20 झांकियों के साथ 6 बैडों के साथ यात्रा ने शहर को परशुराम्य कर दिया। वही लोगों के द्वारा जय श्रीराम के नारे के साथ परशुराम की जय जयकार के नारे लग रहे थे। वृंदावन के भगवान श्री परशुराम शोभायात्रा समिति के बैनर तले परशुराम पार्क से निकाली गई। परशुराम यात्रा का शुभारंभ दीप जलाकर किया गया। डॉ. केशवाचार्य के संयोजन में यात्रा विद्यापीठ चैराहा, बकि बिहारी मंदिर मार्ग, बनखंडी, लोई बाजार, प्रताप बाजार होते हुए रींजी के पास समाप्त हुई।

स्प्रेड स्माइल फाउंडेशन ने विश्व साइकिल दिवस पर रैली निकाली



टीम एक्शन इंडिया/सोनीपत स्प्रेड स्माइल फाउंडेशन व पर्यावरण संरक्षण गतिविधि द्वारा विश्व पर्यावरण संरक्षण दिवस के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन चल रहा है। आज सेक्टर 12 स्थित कम्युनिटी सेंटर में विषुव ी दिवस को साथ जोड़ते हुए श्री राजीव जैन पूर्व मीडिया सलाहकार की अध्यक्षता में साइकिल रैली का आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य व्यक्तियों को साइकिल चलाने के

फायदे बताना था। सेक्टर 12 २२म्युनिटी सेंटर से प्रारंभ हो कर शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए स्कूजी मंडी पहुंचे। जहां पर प्त्तिरिक्त नहीं, थैला अनाओ मुहिम से लोगों को मंडी के अंदर जागरूक करते हुए कपड़े के थैले वितरित किए गए। इस अवसर पर संस्था से जुड़े सदस्यों के साथ साथ पाठशाला में पढ़ने वाले बच्चों ने भी भाग लिया। साइकिल रैली के मध्यम से, स्वस्थ रहने का, पैड़ लगाने का ,

प्लास्टिक छोड़ो, प्रदूषण को कम करने का संदेश दिया और फिर सेक्टर 12 कम्युनिटी सेंटर में रैली को समाप्त किया। रमेश शर्मा, महावीर अग्रवाल, प्राचार्य कुलदीप चौहान ,हिंदी प्राध्यापक दिलबाग सिंह ,गणित प्रवक्ता संजय कुमार, विज्ञान अध्यापक विरेद गहलवात, सुरेश कालरा, प्रवीण वर्मा, दीपक मान, प्रेम गौतम, प्रेम,तरुण, अध्यापिका प्रियंका, अनन्या, मैत्री, आदि युवा सदस्य व बच्चे उपस्थित रहे।

फर्स्ट एड प्रशिक्षणार्थियों को दिलाई नशा न करने की शपथ

टीम एक्शन इण्डिया/कुरुक्षेत्र (दलबीर मलिक) र्शांतनु शर्मा उपायुक्त एवं प्रधान जिला रेडक्रॉस सोसायटी कुरुक्षेत्र के मार्गदर्शन में कार्य कर रही जिला रेड क्रॉस शाखा/ सेंट जॉन एंजुलेंस के द्वारा जिला रेड क्रॉस भवन में प्रोफेशनल फर्स्ट एड ट्रेनिंग तथा होम नर्सिंग की ट्रेनिंग करवाई जाती है जो अठारह वर्ष की आयु के बाद कोई भी कर सकता है। भारत ही नहीं विदेशों में भी इस ट्रेनिंग कोर्स का बहुत महत्व है। मई 2023 बैच के प्राथमिक सहायता ट्रेनिंग कोर्स के विद्यार्थियों को कुमारी किरण कश्यप लैक्चरर फर्स्ट एड द्वारा रेड क्रॉस की महत्व पूर्ण गति विधियों की जानकारी दी गई तथा बताया गया कि घायल व्यक्ति



को डॉक्टर के पास जाने से पूर्व हमे प्राथमिक सहायता मौके पर उपल्ब्ध समान द्वारा करनी चाहिए ताकि घायल की जान बचाई जा सके या उसकी बिगड़ती स्थिति में सुधार लाया जा सके। बेहोश व्यक्ति की सांस न चल रही हो तो सी पी आर विधि का प्रयोग कर उसकी जान

8 सड़क सुरक्षा के नियम का पालन करना, घायल की मदद करना, नशा मुक्ति, संतुलित आहार लेना की शपथ दिलाई

क्रॉस सोसाइटी ने बताया कि हरियाणा राज्य शाखा चंडीगढ़ के निदेशानुसार सेंट जॉन एंजुलेंस जिला शाखा द्वारा 30 बच्चों का एक बैच तैयार किया जाता है। ऑनलाइन एडमिशन की प्रक्रिया रहती है। उसके बाद 1 सप्ताह का प्रोफेशनल ट्रेनिंग कोर्स रेड क्रॉस भवन में करवाया जाता है। प्रोफेशनल ट्रेनिंग की अधिका जानकारी के लिए कार्यालय में कुमारी अंजू कश्यप जिला प्रशिक्षण अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं।

रेडक्रॉस सोसाइटी/सेंट जॉन एंजुलेंस द्वारा समय समय पर स्कूल, कॉलेज वा अन्य महत्वपूर्ण पूर्ण सेमिनारों में प्राथमिक सहायता की जानकारी प्रदान की जाती है। प्राथमिक सहायता के इलावा सड़क सुरक्षा के नियम का पालन करना ,घायल की मदद करना, नशा मुक्ति , संतुलित आहार लेना, नए पेड़ लगाने , रेड क्रॉस की आजीवन सदस्यता लेना , रक्त दान के महत्व आदि महत्वपूर्ण विषयों पर भी प्रकाश डाला। उपस्थित प्रशिक्षणाथीयों द्वारा नशा न करनेकी सपथ दिलाई गई। इस अवसर पर अंजू कश्यप जिला प्रशिक्षण अधिकारी ओम प्रकाश लिपिक, हिम्मत सिंह अन्य सदस्यगण मौजूद रहे।

आंगनबाड़ी संचालिका पर बच्चों का पोषाहार पशुओं खिलाने का आरोप

टीम एक्शन इंडिया/मथुरा। बाल विकास योजना के अंतर्गत गर्भवती महिलाओं को सरकार से मिलने वाले पुष्ट पोषाहार का वितरण सरकारी कागजों में ही हो रहा है और सामान ब्लैक में बेचा जा रहा है। शनिवार को गोवर्धन के गांव मुखराई में पोषाहार न मिलने से आक्रोशित महिलाओं ने पोषाहार वितरण करने वाले समूह व आंगनबाड़ी के खिलाफ आक्रोश व्यक्त करते हुए डीएम से कार्रवाई की मांग की। आरोप है कि तीन माह से बाल पोषाहार सामग्री का वितरण नहीं किया है। आंगनबाड़ी केन्द्र संचालिका की भैंस पुष्ट आहार खा रही हैं। इसकी शिकायत बाल विकास योजना अधिकारी से की गई लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई है। दरअसल छह माह और तीन से छह वर्ष तक के बच्चों व गर्भवती महिलाओं को इस योजना का लाभ मिलता है। योजना में आंगनबाड़ी में पढ़ने वाले छात्र छात्राओं को शामिल किया गया है।

स्वर्ण पदक विजेता मिस्टर इंडिया बने खिलाड़ी का किया सम्मान

टीम एक्शन इंडिया/गन्नौर। दिल्ली में 28 मई को संपन्न हुई राष्ट्रीय बांडी बिल्डिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक विजेता मिस्टर इंडिया बने खिलाड़ी जितेंद्र के सम्मान में समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता रणबीर छिक्कारा ने तेवड़ी गांव में जाकर 28 मई को दिल्ली में संपन्न हुई थी उसमें प्रथम स्थान पाकर गोल्ड मेडल विजेता मिस्टर इंडिया बने खिलाड़ी जितेंद्र कुमार का स्वागत किया। उन्होंने कहा जिस प्रकार जितेंद्र ने सुविधाएं ना होने के बावजूद भी अपनी



मेहनत और लगन से इस मुकाम को हासिल किया है, यह सभी नौजवानों के लिए एक प्रेरणा स्रोत बनकर उभरे हैं। उन्होंने कहा कि खेलों से शारीरिक

8 आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता रणबीर छिक्कारा ने तेवड़ी गांव में जाकर 28 मई को दिल्ली में संपन्न हुई थी

संवार सकते हैं। इस अवसर पर उनके साथ विकास मलिक, डॉक्टर अनिल कुमार, शंकर ,नरेश कुमार सत्यनारायण, धर्मवीर सिंह ,दलेल मलिक ,मेहर सिंह, धर्मपाल सिंह, महेंद्र सिंह, महावीर सिंह ,सुधीर मलिक ,धर्मराज मलिक बलवान , हरिराम ,रामफल आदि सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

'साइकिल चला कर मानव रख सकता है शरीर को स्वस्थ'

टीम एक्शन इण्डिया/कुरुक्षेत्र (दलबीर मलिक) अंतर्राष्ट्रीय साइकिल दिवस पर भारतीय खेल प्राधिकरण की तरफ से साइकिलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के तहत खेल व प्रशासनिक अधिकारियों व कर्मचारियों ने करीब 15 किलोमीटर साइकिल चलाकर लोगों को साइकिल चलाने का संदेश दिया भारतीय खेल प्राधिकरण (आई) कुरुक्षेत्र में शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय साइकिल दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में साई के अधिकारियों, प्रशासनिक व राज्य खेल विभाग के अधिकारियों जिनमें जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी डा. नरेंद्र सिंह, साई



प्रभारी एवं साइकिलिंग कोच कुलदीप सिंह वड़ैच, साई के सेवानिवृत्त चीफ कोच गुरविंद सिंह, खेल विभाग से सेवानिवृत्त डीएसओ यशवीर सिंह, प्रशिक्षक चांद राम, प्रशिक्षक नरेंद्र सिंह ठाकुर, अजनाब सिंह, यमन बहादुर, नरेश कुमार सैनी शामिल है, ने साइकिलिंग की। यहां पर साई

8 आज के आधुनिक दौर में प्रत्येक व्यक्ति को दिन में एक या दो बार साइकिल अवश्य चलानी चाहिए

जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी डा. नरेंद्र सिंह ने कहा कि पूरे विश्व में 3 जून को साइकिल दिवस के रूप में मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र सभा ने 3 जून को विश्व साइकिल दिवस मनाने की घोषणा की थी। साइकिल एक विश्वसनीय टिकाऊ यातायात साधन होने के साथ साथ स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है। साइकिल चलाने से हमारे शरीर में सुस्ती नहीं आती और हमारे शरीर की मांसपेशियां अच्छे ढंग से कार्य

करती है। साइकिलिंग कोच एवं साई प्रभारी कुलदीप सिंह वड़ैच ने कहा कि साइकिलिंग करने से हमारे शरीर मोटा नहीं होता यानी हमारे शरीर को मोटापे का सामना नहीं करना पड़ता। साइकिल चलाने से हमारा शरीर फिट रहता है और पैरो की हड्डियां मजबूत रहती है, जो हमारा बुढ़ापे तक साथ देती है। इतना ही नहीं साइकिल चलाने से पर्यावरण भी साफ रहता है। साई के सेवानिवृत्त चीफ कोच गुरविंद सिंह ने कहा कि साइकिल का प्रयोग करके हम दुर्घटनाओं को कम कर सकते हैं। आज के आधुनिक दौर में प्रत्येक व्यक्ति को दिन में एक या दो बार साइकिल अवश्य चलानी चाहिए ताकि शरीर फिट रह सके।

ज्येष्ठ की पूर्णिमा पर लगाया बड़ी औद्योगिक क्षेत्र में लगाया विशाल भंडारा

8 पूजा-पाठ का विशेष लाभ मिलता है। इसके साथ ही उपवास रखने से साधक की सभी परेशानियां दूर हो जाती है

टीम एक्शन इंडिया/गन्नौर। ज्येष्ठ पूर्णिमा के अवसर पर बड़ी औद्योगिक क्षेत्र के फेस नम्बर एक की कंपनी 191 लक्ष्मी टेक्सटाइल कंपनी द्वारा विशाल भंडारा लगाया गया। भंडारे में फैक्ट्री के एमडी पिपूष जैन, मैनेजर सुमित मलिक व अन्य स्टाफ के सदस्यों ने भंडारे में प्रसाद वितरण कर अपनी सेवाएं दी। आस पास के कंपनी



के मजदूरों व अन्य लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। कंपनी के मैनेजर सुमित मलिक ने बताया कि भगवान की कृपा से हिंदू धर्म में व्रत को विशेष महत्व मिला है।

इस विशेष दिन दान और पूजा-पाठ का विशेष लाभ मिलता है। इसके साथ ही उपवास रखने से साधक की सभी परेशानियां दूर हो जाती है।

[illegible]

इंग्लैंड की बार्मी आर्मी ने स्टीव स्मिथ को उनके जन्मदिन पर किया ट्रेल

लंदन। इंग्लैंड की आधिकारिक फैन आर्मी 'बार्मी आर्मी' ने ऑस्ट्रेलिया के स्टार स्टीव स्मिथ को उनके 34वें जन्मदिन पर ट्रेल किया। स्मिथ इस समय इंग्लैंड में हैं क्योंकि वह 7 जून को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भारत का सामना करने के लिए तैयार हैं और फिर 16 जून से शुरू होने वाली पांच मैचों की एशेज श्रृंखला में इंग्लैंड का सामना करेंगे। बार्मी आर्मी ने स्मिथ को जन्मदिन की मुबारकबाद देते हुए टवीट किया, जन्मदिन मुबारक हो स्टीव स्मिथ, जल्द ही मिलते हैं। तस्वीर सिडनी इन्फाई अंड्रे पर स्टीव स्मिथ को प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी, जहां ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान की आंखों में आंसू थे और उन्होंने 2018 में गेंद से छेड़छाड़ कांड की पूरी जिम्मेदारी ली थी। स्मिथ और डेविड वार्नर को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया द्वारा एक-एक साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया था जबकि कैमरन मैक्क्रॉफ्ट को 9 महीने के लिए प्रतिबंधित किया गया था। स्मिथ के लिए बार्मी आर्मी के जन्मदिन की पोस्ट से प्रशंसक प्रभावित नहीं हुए और उन्होंने इंग्लैंड की प्रशंसक सेना की खिंचाई की।

ओली पोप का दोहरा शतक, इंग्लैंड ने हासिल की 352 रन की लीड

लंदन। ओली पोप के करियर के पहले दोहरे शतक और बेन डंकट के साथ उनकी दूसरे विकेट के लिए 252 रन की साझेदारी के मदद से इंग्लैंड ने यहां अपनी पहली घरी चार विकेट पर 524 रन पर



समाप्त घोषित करके आयरलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट क्रिकेट मैच में अपना मजबूत शिकंजा कस दिया। पोप ने 205 रन की लाजवाब घरी खेली जबकि डंकट ने 182 रन बनाए। इन दोनों के प्रयास से इंग्लैंड ने खेल के दूसरे दिन पहली घरी में 352 रन की मजबूत बढ़त हासिल की। आयरलैंड ने अपनी पहली घरी में 172 रन बनाए थे। पोप ने अपनी घरी में 22 चौके और तीन छक्के लगाए जबकि डंकट की घरी में 24 चौके और एक छक्का शामिल है। इन दोनों के अलावा जो रूट ने 56 रन का योगदान दिया। उन्होंने और पोप तीसरे विकेट के लिए 146 रन की साझेदारी की। रूट के आउट होने से यह साझेदारी टूटी। एंडी मैक ब्रायन ने रूट को आउट करने के बाद पोप को भी पवेलियन भेजा। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने पोप के आउट होने के तुरंत बाद घरी समाप्त घोषित कर दी।

भारतीय खिलाड़ी लक्ष्य ने थाईलैंड ओपन सेमीफाइनल में किया प्रवेश

बैकॉक। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने यहां पुरुष एकल में मलेशिया के लियोंग जुन ह्यो पर सीधे गेम में जीत से थाईलैंड ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अल्मोद्य के 21 साल के खिलाड़ी ने क्वार्टरफाइनल में मलेशिया के कालीफायर को 21-19, 21-11 से हराया। इस जीत से वह इस सत्र में पहली बार अंतिम चार में पहुंचे। वह इंडोनेशिया मास्टर्स में क्वार्टरफाइनल में हार गये थे। अब सेमीफाइनल में सेन का सामना चीन के पांचवें वरीय लु नुआंग जू और थाईलैंड के दूसरे वरीय कुनतावुत सितदिसर्ण के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। वहीं एक अन्य पुरुष एकल मैच में किरण जॉर्ज का सफर फ्रांस के टोमा जुनिगर पोपोव से 16-21, 17-21 से खरफर समाप्त हो गया।



खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स: दूसरे दिन पुरुष योगासन एथलीटों ने दिखाया दम

वाराणसी। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में दूसरे दिन शुक्रवार से पुरुष योगासन एथलीटों की प्रतियोगिता शुरू हुई। दो दिनों तक चलने वाली प्रतियोगिता में पहले दिन छह टीमों ने अपना दम खम दिखाया। पुरुषों की योग प्रतियोगिता में कुल नौ टीमों हिस्सा ले रही हैं। आईआईटी बॉम्बेय के रमेश श्रीनिवासन स्टूडेंट एक्टिविटी सेंटर के इनडोर हॉल में पहले सत्र में तीन टीमों ने और शाम के सत्र में भी तीन टीमों ने योग किया। पुरुष वर्ग की अंतिम तीन टीमों का मुकाबला सुबह पहले सत्र में होगा। इस मुकाबले के पूरा होने के बाद ही विजेता टीमों की रैंकिंग स्पष्ट होगी। मैच समाप्ती के साथ ही विजेता एथलीटों को पुरस्कृत किया जाएगा।

प्रतियोगिता में प्रथम सत्र में गुरुग्राम विश्वविद्यालय, पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला और इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी की टीम ने योग किया। दूसरे सत्र में सवित्री बाई फुले पुणे यूनिवर्सिटी, राधसंत तुकाडोजी महाराज नागपुर यूनिवर्सिटी और शिवाजी यूनिवर्सिटी की योग एथलीटों की टीम ने अपना कौशल दिखाया। जिसमें सवित्री बाई फुले पुणे यूनिवर्सिटी की टीम 399.5 अंक लेकर छह टीमों के मुकाबले में सबसे आगे चल रही है। इस टीम में कुणाल थिरुल, विष्णु चक्रवर्ती



काठे, नीतिन तानाजी पावले शामिल रहे। दूसरे नंबर पर राधसंत तुकाडोजी महाराज **पुरुष वर्ग की अंतिम तीन टीमों का मुकाबला सुबह पहले सत्र में होगा। इस मुकाबले के पूरा होने के बाद ही विजेता टीमों की रैंकिंग स्पष्ट होगी। मैच समाप्ती के साथ ही विजेता एथलीटों को पुरस्कृत किया जाएगा।**

नागपुर यूनिवर्सिटी है। इसके खाने में 399.27 अंक हैं इस टीम में रामानंद देवाजी राउत, ओम दिनेश खडाई, प्रणय कांगले, हर्षल खिल्लास, संभव खलचंद्रा देशमुख, वैभव वमन श्रीगमे शामिल थे। तीसरे नंबर में शिवाजी यूनिवर्सिटी रही और इनके 394.14 अंक हैं।

विश्व कप कालीफायर : अन्कैड विकेटकीपर-बल्लेबाज जॉयलॉर्ड गंभी जिम्बाब्वे टीम में शामिल

हरारे। अन्कैड विकेटकीपर-बल्लेबाज जॉयलॉर्ड गंभी को आगामी आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप कालीफायर के लिए जिम्बाब्वे की 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। ल्यूक जोंगवे भी टीम में हैं, लेकिन ब्रेंडन मावुत को बाहर का रस्ता दिखा दिया गया है। 27 वर्षीय गंभी ने एक सप्ताह पहले ही पाकिस्तान शारीन के खिलाफ सलामी बल्लेबाज के रूप में शानदार शतक लगाया था। इस साल की शुरुआत में वेस्टइंडीज श्रृंखला के लिए उन्हें टीम में



नामित किया गया था, लेकिन उन्हें प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिली

तांडा डायमंड लीग: किपयेगोन ने 1500 मीटर दौड़ में बनाया नया विश्व रिकॉर्ड

नई दिल्ली। कन्या की फेथ किपयेगोन ने फ्लोरेंस में सीजन की तीसरी वांछ डायमंड लीग मीटिंग में महिलाओं की 1500 मीटर दौड़ में 3:49.11 समय के साथ नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। किपयेगोन के बाद ब्रिटेन की लीग मुद्र 3:57.09 समय के साथ दूसरे स्थान पर रही, जबकि ऑस्ट्रेलिया की जेसिका हल 3:57.29 के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। दो बार की ओलंपिक और दो बार की विश्व चैंपियन पहले से ही दूसरी सबसे तेज महिला 1500 मीटर धावक थीं, अगस्त 2015 में मोनाको में उन्होंने 3:50.37 का समय निकाला था, जब वह इथियोपिया की जेनजेबे जिंबा द्वारा बनाए गए 3:50.07 के विश्व रिकॉर्ड से सिर्फ 0.3 सेकंड से चूक गई थीं। विश्व रिकॉर्ड बनाने के बाद



किपयेगोन ने कहा, रिकॉर्ड मेरे उम्मीद है कि वह मेरे लिए एक दिल और दिमाग में है और मुझे आदर्श वर्ष होगा।

गुरु नानक देव ने चार-स्वर्ण पदक जीतते हुए शीर्ष पे क्राबिज़ पंजाब से पदकों का अंतर कम किया

लखनऊ/नोएडा/दिल्ली। गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी (जीएनडीयू), अमृतसर ने तीसरे खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के 10वें दिन चार स्वर्ण पदक जीत कर पदक तालिका में पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ (पीयूसी) से अपने अंतर को कम कर दिया। केआईयूजी 2022 उत्तरप्रदेश (यूपी), राज्य के चार शहरों में आयोजित किया जा रहा है। जीएनडीयू के एथलीटों ने मुक्केबाजी (एक), तलवारबाजी (दो) और जूडो (एक) में स्वर्ण पदक जीतकर दिन का अंत 22 स्वर्णों के साथ किया। ये अब पीयूसी के गोल्ड टैली से चार पदक पीछे हैं। फेंसिंग, जूडो, योगासन और वेटलिफ्टिंग में आठ और गोल्ड शनिवार को प्रतियोगिताओं के अंतिम दिन

जीता जाना बाकी है, जिससे शीर्ष (जीजीएसएससी) मैदान में जीता की दौड़ अभी भी जारी है।



प्रतियोगिता के 10वें दिन अन्य मुख्य आकर्षण, प्रतिष्ठित पुरुषों का फुटबॉल खिताब कोलकाता के आदमस विश्वविद्यालय द्वारा लखनऊ के गुरु गोबिंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज

हासिल की। महिलाओं का ताज गुरु जंबेश्वर विश्वविद्यालय (जीजेयू) के पास गया, जिन्होंने शहर के एक अलग हिस्से में एकाना स्पोर्ट्स सिटी परिसर में चौधरी बंसोलात विश्वविद्यालय (सीबीएल्यू) को तीन गोल से हराया।

इसी दिन बीबीडी में बैडमिंटन का फाइनल भी हुआ। राज्य की राजधानी के बीबीडी बैडमिंटन अकादमी में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू), रोहतक ने फाइनल के मैच में सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय (एसपीपीयू) को 3-2 से हराया। एमडीयू शुरू में 2-0 से ऊपर चला गया लेकिन एसपीपीयू ने मुगल जीत के साथ 2-2 से फाइनल टाई करने के लिए ज़बर्दस्त वापसी की। इसके

बाद पांचवें डब्लस के दोनों गेम ड्यूस तक चले गए, इसके बाद आर्यन और बलराज ने एमडीयू के लिए एक यादगार जीत हासिल

की। महिला बैडमिंटन में, ताज दिल्ली विश्वविद्यालय के पास गया, बेस्ट ग्री फाइनल में 2-0 से जीत हासिल की।

ओडिशा रेल हदसे पर हरभजन सिंह की पहली प्रतिक्रिया आई सामने

दिल्ली। ओडिशा के बालासोर में कोरोमंडल एक्सप्रेस और बैंगलुरु-हावड़ा एक्सप्रेस ट्रेन के पटरी से उतरने और एक मालगाड़ी से टकराने से 233 हो गई है जबकि हदसे में 900 से अधिक यात्री घायल हुए हैं। इस पर पूर्व भारतीय किपनर हरभजन सिंह ने शोक व्यक्त करते हुए रेल मंत्रालय और सरकार से यात्रियों के रैस्क्यू के लिए गुहार लगाई है। हरभजन सिंह ने इस भीषण रेल हादसे के बाद एक टवीट साझा किया जिसमें उन्होंने रेल मंत्रालय को टैग करते हुए लिखा, 'ओडिशा में कोरोमंडल एक्सप्रेस और एक अन्य पैसेंजर ट्रेन के बीच हुई रेल दुर्घटना के बारे में जानकर दुख हुआ। उन लोगों के परिवारों के साथ है जिन्होंने अपने निकट और प्रियजनों को खो दिया। हरभजन ने आगे रेल मंत्रालय और सरकार से यात्रियों को जल्द से जल्द रैस्क्यू के लिए अपील की है। गौर हो कि हरभजन सिंह आखिरी बार भारत के लिए 2016 में खेले थे।

सीएसजेएमयू की तनिशा लांबा ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में हासिल किया गोल्ड

कानपुर। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2022-23 में सीएसजेएमयू की तनिशा लांबा ने बीपीएस विश्वविद्यालय हरियाणा को हराकर गोल्ड मेडल प्राप्त किया। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने तनिशा को बधाई देते हुए दी। उन्होंने कहा कि बाक्सिंग के (52 से 54 किग्रा वर्ग में) अपनी बेहतरीन खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए तनिशा ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। वह छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय में सातक की छात्रा है। तनिशा ने

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में इससे पहले क्वार्टर फाइनल में शिवाजी महाराज विश्वविद्यालय,



महाराष्ट्र को 5-0 से हराया। सेमीफाइनल में सीएसजेएमयू का प्रतिनिधित्व करते हुए तनिशा ने

लाबुशेन ने माना, डब्ल्यूटीसी फाइनल में भारतीय गेंदबाजों का सामना करना आसान नहीं होगा

लंदन। ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख टेस्ट बल्लेबाज मर्नस लाबुशेन ने स्वीकार किया कि सात जून से ओवल में शुरू होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में भारतीय गेंदबाजों का सामना करना आसान नहीं होगा लेकिन उन्होंने कहा कि क्वार्टर क्रिकेट में खेलने के कारण उन्हें इस महत्वपूर्ण मैच और उसके बाद एशेज की तैयारियों में काफी मदद मिली। लाबुशेन ने कहा कि भारत ने भले ही हाल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपनी

घरेलू धरती पर रियनरों के दम पर बॉर्डर गार्वरकर टॉफी जीती थी लेकिन उनके तेज गेंदबाज डब्ल्यूटीसी फाइनल में बल्लूक गेंदों के साथ खतरनाक स्नाइप हो सकते हैं। भारत ने अपने तेज गेंदबाजी विभाग में मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, उमेश खदब और जयदेव उनादकट को शामिल किया है जबकि ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर भी अंतिम एकदश में जगह बनाने के दावेदार होंगे। लाबुशेन ने कहा, 'मैं पहिले पांच साल से पहले हम भारत के खिलाफ खेलें थे और

वे क्या कर सकते हैं इसको लेकर हमारी राय स्पष्ट है। लेकिन डब्लूक गेंद हाथ में होने से वे (भारतीय तेज गेंदबाज) अपने कौशल का और बेहतर प्रदर्शन करने में सक्षम होंगे।' लाबुशेन हालांकि काउंटी क्रिकेट में खेलने के बाद अच्छे प्रदर्शन करने के प्रति आश्वस्त हैं। उन्होंने काउंटी मैचों में आठ पारियों में दो शतक की मदद से 504 रन बनाए। उन्होंने आईसीसी चैम्पसइट से कहा, 'मैं पिछले पांच साल से यहां आ रहा हूं और मुझे काउंटी क्रिकेट में

खेलना पसंद है। इससे काफी मदद मिलती है और फिर इस साल टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल और एशेज होंगी है। इसलिए इन मैचों से पहले काउंटी क्रिकेट में खेलने से काफी मदद मिलती है।' लाबुशेन ने इसके साथ ही कहा कि तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने के कारण उनकी जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं। उन्होंने कहा, 'यह स्वाभाविक है कि जो भी ऑस्ट्रेलिया की तरफ से तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेगा उसकी काफी जिम्मेदारी होगी।'

हरमनप्रीत सिंह के 2 गोल, भारत ने बेल्जियम को 5-1 से रौंदा

लंदन। कप्तान हरमनप्रीत सिंह के दो गोल की मदद से भारतीय हॉकी टीम ने यहां ओलंपिक चैंपियन बेल्जियम को 5-1 से हराकर उलटफेर करते हुए एफआईएच प्रो लीग में अपने यूरोपीय चरण में लगातार छह के बाद शानदार वापसी की। मिडफील्डर शिवेक सागर प्रसन्न ने मैच के पहले ही मिनट में भारत को बहुत दिला दी और फिर हरमनप्रीत (20वें और 29वें मिनट) ने पेनल्टी कॉर्नर पर 2 गोल दाग दिए। अमित रोहिदास (28वें मिनट) और दिलप्रीत सिंह (59वें मिनट) ने भारत के लिए अन्य दो गोल किए। बेल्जियम के लिए चौथे क्वार्टर के पहले ही मिनट में विलियम घिसलेन (45वें मिनट) ने गोल किया। भारतीय टीम प्रो लीग अंक तालिका में शीर्ष टीम के तौर पर यूरोप पहुंची थी। लेकिन यूरोपीय चरण के शुरुआती मैच में 26 र्ग को बेल्जियम से 1-2 से हार गई और फिर अगले दिन उसे ब्रिटेन से 2-4 से पराजय झेलनी पड़ी। अब भारत का सामना शनिवार को फिर ब्रिटेन से होगा।



खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स क्षमता दिखाने का अच्छा अवसर है - मनु भाकर

गौतम बुद्ध नगर। उत्तर प्रदेश में चल रहे खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2022 युवाओं के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने का बेहतरीन मंच है, यह कहना है भारत की 21 साल की ओलंपिक पिस्टल निशानेबाज मनु भाकर का। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2022 उत्तर प्रदेश में 10 मीटर महिला एयर पिस्टल और मिश्रित टीम में कांस्य और स्वर्ण पदक विजेता एवं ओलंपियन, मनु ने कहा, मेरा मानना है कि खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स एक ऐसा इवेंट है जहां तालीमों का प्रयोग और विश्लेषण करना व्यावहारिक रूप से संभव है। मनु ने कहा, प्रमुख घरेलू प्रतियोगिताओं में, जो चयन टायल के रूप में कार्य करती हैं, उसमें निशानेबाज अपने क्षेत्र में रहना पसंद करते हैं और ज्यादा प्रयोग नहीं करते हैं। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स शूटिंग प्रतियोगिता के आयोजन स्थल डॉ कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में मंगलवार को मनु ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में कांस्य पदक जीता। उन्होंने फाइनल में 217.1 का स्कोर बनाया और एक दिन बाद अन्य अंतरराष्ट्रीय शूटर और टीम के साथी सरबजोत सिंह के साथ उन्होंने पंजाब विश्वविद्यालय का

प्रतिनिधित्व करते हुए 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। घरेलू प्रतियोगिता से दूर, पंजाब यूनिवर्सिटी का प्रतिनिधित्व कर रही हरियाणा की निशानेबाज मनु के अनुसार खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स अत्यधिक प्रतिस्पर्धी हो गए हैं। ओलंपियन का कहना है कि दबाव में प्रदर्शन करने की मानसिक क्षमता को परखने वाला इवेंट है यूनिवर्सिटी गेम्स। 'खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स बहुत चुनौतीपूर्ण हैं। सभी फाइनलिस्ट खुद को साबित करना चाहते हैं, 'मनु ने कहा। 'हम नए चेहरों को पदक जीतते हुए देख सकते हैं। ऐसा होना अच्छी बात है। मनु ने 10 मीटर एयर पिस्टल में कांस्य जीता, वह महिलाओं की 25 मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल में पदक जीतने से चूक गयी। विश्व चैंपियनशिप और हॉल्गे एशियाई खेलों के लिए आगामी घरेलू प्रतियोगिता और चयन टायल मनु के लिए वापसी करने और राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह पक्की करने का एक अच्छा अवसर होगा। मनु के पिता राम किशन भाकर ने कहा, हमें आने वाले महीनों में अच्छे नतीजों की उम्मीद है।

न्यूज पलैश

छोटे भाई से झगड़े से नाराज नाबालिग बहन ने की आत्महत्या

फरीदाबाद: छोटे भाई द्वारा दृष्टब्रश का प्रयोग किए जाने से गुस्साई एक 17 वर्षीय नाबालिग बहन ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। नाबालिग का पोस्टमार्टम करवाकर पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया। मामला बल्लभगढ़ की त्रिखा कोलोनी का है। वारदात के समय सभी परिजन पड़ोस में हो रहे कीर्तन में गए हुए थे। लड़की ने सुसाइड नोट भी लिखा है, जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया है। जानकारी के अनुसार लड़की के पास से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है। जिसमें लिखा है, अब किसी को डांटना नहीं पड़ेगा...आई लव यू। मृतका मनीषा के दादा रामेश्वर ने बताया कि शनिवार सुबह मनीषा का छोटे भाई संजू के साथ झगड़ा हो गया था। दरअसल, उसके छोटे भाई ने मनीषा के दृष्ट ब्रश से अपने दांत साफ कर लिए थे। इसी के चलते दोनों भाई बहन में झगड़ा हो गया। झगड़ा होता देख मां गीता ने मनीषा और छोटे भाई को डांट दिया, जिसके बाद मामला शांत हो गया। मृतक लड़की के चाचा ने बताया कि मामला शांत होने के बाद मनीषा की मां गीता व उनका पूरा परिवार पड़ोस में हो रहे कीर्तन में चला गया। जब वे कीर्तन से वापस लौटे तो देखा कि घर का दरवाजा बंद है और टीवी की आवाज तेज है।

कांगड़ा के मंदिरों में अब नही सजेंगे प्लास्टिक के फूल

धर्मशाला। कांगड़ा जिला प्रशासन क्षेत्र के मंदिरों को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल करने जा रहा है। प्रशासन जिले में प्लास्टिक मुक्त मंदिर परियोजना का शुभारंभ करेगा। इस प्रोजेक्ट के तहत मंदिरों में रखे प्लास्टिक के फूलों को असली फूलों से बदला जाएगा। उपायुक्त डॉ. निपुण जिनंद विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में पांच जून को श्री चामुंडा माता मंदिर से प्लास्टिक मुक्त मंदिर परियोजना का शुभारंभ करेगा।



प्रवीन लाकड़ा

प्रमुख समाजसेवी नरेला

बृजभूषण के खिलाफ 4 गवाह सामने आए

2 महिला रेसलर, कोच और इंटरनेशनल रेफरी, 4 मंत्रियों की टीम कर सकती है पहलवानों से बातचीत

शिकंजे की तैयारी।

दिल्ली पुलिस आरोपों वाली जगह यानी 4 राज्यों हरियाणा, उत्तर प्रदेश, झारखंड और कर्नाटक में इसकी जांच कर रही है

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली यौन शोषण के आरोपों से घिरे भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष सांसद बृजभूषण शरण सिंह की मुश्किलें बढ़ सकती है। दिल्ली पुलिस को इस मामले में 4 गवाह मिले हैं, जिन्होंने बृजभूषण पर लगे आरोपों की पुष्टि की है। इनमें एक-एक ओलिंपियन, कॉमनवेल्थ गोल्ड मेडलिस्ट, इंटरनेशनल रेफरी और स्टेट लेवल कोच शामिल हैं। ये सभी उन 125 गवाहों में शामिल हैं, जिन्हें इस केस में शामिल किया गया है। दिल्ली पुलिस आरोपों वाली जगह यानी 4 राज्यों हरियाणा, उत्तर प्रदेश, झारखंड और कर्नाटक में इसकी जांच कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, आरोपों की पुष्टि करने वाले



गवाह ओलिंपियन और कॉमनवेल्थ गोल्ड मेडलिस्ट, दोनों महिला रेसलर हैं। उन्होंने दिल्ली पुलिस की जांच टीम को बताया कि बृजभूषण के सेक्सुअल हैरेसमेंट के बारे में घटना के एक महीने बाद केस दर्ज कराने वाली महिला रेसलर्स ने उन्हें बताया था। शिकायत करने वालों में शामिल एक महिला पहलवान के कोच ने दिल्ली पुलिस की एसआईटी को बताया

कि बृजभूषण के सेक्सुअल फेवर मांगने के बारे में घटना के 6 घंटे बाद उन्हें फोन पर बताया गया था। इंटरनेशनल रेफरी ने कहा कि जब वे टूर्नामेंट के लिए इंडिया या विदेशों में जाते थे तो महिला रेसलर्स से उनकी इस परेशानी के बारे में सुनते थे। **केंद्र गिरफ्तारी पर राजी नहीं:** सूत्रों के मुताबिक, केंद्र पहलवानों की 5 मांगों को मानने को तैयार है। इनमें महिला कुश्ती

बृजभूषण के खिलाफ 2 एफआईआर सामने आई

बृजभूषण के खिलाफ दिल्ली पुलिस की दर्ज 2 एफआईआर सामने आ चुकी हैं। एक एफआईआर में नाबालिग पहलवान ने आरोप लगाए कि बृजभूषण ने फोटो खींचने के बहाने जबन उसे बाहों में पकड़ा। बृजभूषण ने कहा कि तुम मुझे सपोर्ट करो और मैं तुम्हें सपोर्ट करूंगा। फिर उसे कमरे में बुलाकर जबन फिजिकल रिलेशन बनाने की कोशिश की। जब वह नहीं मानी तो ट्रायल में उसे परेशान किया। दूसरी एफआईआर में 6 बालिग

पहलवानों ने शिकायत दर्ज कराई। जिसमें बृजभूषण पर आरोप लगाए कि उन्हें जबन पकड़ा। सांस चैक करने के बहाने टी-शर्ट उतारी। उनके सीने और पेट पर हाथ फेरा। चोट का इलाज करवाने के बहाने सेक्सुअल विरोध जताया तो उसे धमकाया कि आगे कॉम्प्लेंट नहीं खेलने हैं क्या? एक पहलवान को कमरे में बुलाकर बेड पर लेटने को कहा।

कैप लखनऊ से पटियाला, आरोपी कोच को हटाने, डब्ल्यूएफआई को सस्पेंड करने, पहलवानों पर दर्ज दंगे के केस वापस लेने और महिला कुश्ती की कमान किसी महिला को सौंपना शामिल है। मगर, बृजभूषण की गिरफ्तारी और फेडरेशन से पूरी तरह बेदखल करने की शर्त पर सरकार राजी नहीं है। सरकार का कहना है कि पहलवान चाहें किसी भी एजेंसी से

जांच करा लें, लेकिन वे सीधे बृजभूषण को गिरफ्तार करने का आदेश नहीं दे सकते। मामले की सुनवाई फास्ट ट्रेक कोर्ट में चलाने को लेकर भी सरकार की शर्त है कि पहलवान धरना छोड़ खेल में लौटें। केंद्र पहलवानों से बातचीत के लिए 4 मंत्रियों की कमेटी बना रहा है। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर, एक महिला मंत्री के अलावा 2 और मंत्री होंगे।

बंगाल में उगाया गया दुनिया का सबसे महंगा आम

टीम एक्शन इंडिया/कोलकाता पश्चिम बंगाल के बीरभूम के दुबराजपुर में दुनिया का सबसे महंगा आम मियाजाकी उगाया गया है। स्थानीय मस्जिद में लगे इस आम की शुरुआत को वहां के अधिकारियों ने नीलामी की। इसमें उन्होंने लाखों रुपए कमाए, जिसका इस्तेमाल मस्जिद के विकास में होगा। हालांकि, उन्होंने कमाई का आंकड़ा जारी नहीं किया है। आमतौर पर जापान में पाए जाने वाले इस आम का वजन 350 ग्राम होता है और इसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में

कीमत 2 लाख 70 हजार रुपए प्रति किलो होती है। ऐसे में अगर एक किलो में 3 आम भी चढ़ते हैं तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि एक आम की कीमत लगभग 90 हजार रुपए होगी। इस आम के कुछ पौधे झारखंड के जामताड़ा में भी लगाए गए हैं। **बाहर घूमने गया था स्थानीय व्यक्ति, वहां से पौधा लाया:** रिपोर्ट्स के मुताबिक, सैयद सोना 2 साल पहले विदेश घूमने गए थे। वे वहां से मियाजाकी का एक पौधा लाए थे, जिसे उन्होंने मस्जिद परिसर में लगाया था।

'पिछले साढ़े 8 वर्षों में डिजिटल हुआ हरियाणा'

टीम एक्शन इंडिया/चंडीगढ़ हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि पिछले साढ़े 8 वर्षों में राज्य सरकार द्वारा डिजिटल गवर्नेंस की दिशा में उठाए गए अनेक कदम नागरिकों के लिए कारगर सिद्ध हो रहे हैं। ई-गवर्नेंस के माध्यम से सरकारी योजनाओं व कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में मानव हस्तक्षेप को कम करके आम जनमानस को उनके घर द्वार पर सभी योजनाओं का लाभ प्रदान किया जा रहा है। इससे एक ओर जहां भ्रष्टाचार पर अंकुश लगा है, वहीं प्रशासनिक प्रक्रियाओं ने भी गति पकड़ी है और पुरानी जर्जर व्यवस्था में परिवर्तन आया है। परिणामस्वरूप



आज प्रशासन स्मार्ट (सिंपल, मोरल, अकाउंटेबल, रिसांसिबल, ट्रांसपेरेंट) बना है। मुख्यमंत्री करनल से ऑडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के संचालकों से सीधा संवाद कर रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सीएससी संचालकों से उनके अनुभवों को भी जाना।

संवाद के दौरान मुख्यमंत्री ने सीएससी संचालकों से योजनाओं के लिए डेटा अपलोड करने से संबंधित जानकारी मांगी तो कुछ सीएससी संचालकों ने कहा कि कई बार उनके स्तर पर पोर्टल पर डाटा दर्ज करने में गलती हो जाती है, जिससे पात्र लाभार्थी को देरी से लाभ मिलता है। इस पर मुख्यमंत्री ने तुरंत संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि यदि सीएससी स्तर पर अपलोड किए गए डाटा में किसी भी प्रकार की गलती होती है तो उस गलती को 48 घंटों के अंदर दुरुस्त किया जाए ताकि लोगों को सेवाओं के लिए लंबा इंतजार न करना पड़े।

राज्यसभा में मेरी 60% से ज्यादा हाजिरी है: सांसद हरभजन सिंह

टीम एक्शन इंडिया/जालंधर पूर्व क्रिकेटर एवं पंजाब से आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह भज्जी ने राज्यसभा में उनकी हाजिरी को लेकर सवाल उठाने वालों को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने कहा कि राज्यसभा में उनकी 60% से ज्यादा हाजिरी है। उन्होंने पंजाब के कई मुद्दे सदन में उठाए हैं। हाजिरी पर सवाल उठाने वाले उनके काम देखें। भज्जी ने दावा कि शायद वह पहले राज्यसभा सदस्य होंगे जिन्होंने अपना लगभग सारा एमपी लैंड फंड डीसी के जरिये विकास कार्यों में लगा दिया है। उनकी बस

भज्जी का दावा

शायद वह पहले राज्यसभा सदस्य होंगे जिन्होंने सारा एमपी लैंड फंड डीसी के जरिये विकास कार्यों में लगा दिया

एक ही कमी है और वो ये कि वह अपनी पब्लिसिटी नहीं करते। वाहेगुरु ने उन्हें औकात से कहीं ज्यादा दिया है इसलिए पब्लिसिटी की जरूरत नहीं है। वह सिर्फ काम करने में विश्वास रखते हैं। आजकल तो 1 रुपए का काम कर 10 का दिखाने वाला जमाना आ गया है।



MARUTI
nandan printers

8 COLOUR
WEB OFFSET
MACHINE

Capacity : 36000 Copies per Hour
16 Broad Sheet Pages in One Go

THE
PRINTING HUB
COMPLETE
CTP UNIT
BASYS PRINT

Corporate Office : A-15, G. T. Karnal Road, Industrial Area, Delhi-110033
Phone : +91-9999889104, +91-9250706656, +91-11-47502546